छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य

सत्र – 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर जिला –सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रष्न पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

परियोजना

परियोजना निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक – हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता

अमर दास

अनुक्रमांक 230406001

नामांकन क्र. **RGPG/21/001**

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग.)

24/11/2023

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र **अमर दास** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ ने **'छ.ग. के लोक नृत्य'** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना परियोजना कार्य पूर्ण किया।

स्थान– अंबिकापुर

दिनांक–28.06.2023

परियोजना निर्देशक

डॉ.कामिनी

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा

(छत्तीसगढ)

छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य

अध्याय – एक

छ.ग. के लोक नृत्य

1.1. छ.ग. के प्रमुख नृत्यों के प्रकार

1.2. छ.ग. के लोकनृत्य की प्रमुख विशेषता

अध्याय – दो

प्रकृति और रिश्तों को जोड़ते हुए लोकनृत्य

2.1. छ.ग. के लोकनृत्य की प्रमुख विशेषता

2.2. छ.ग. के प्रमुख तत्व

अध्याय – तीन

छ.ग. के पारम्परिक वाद्ययंत्र

3.1. छ.ग. की उत्पति

अध्याय – चार

छ.ग. के जनजाति लोकनृत्य

4.1. लोक नृत्य संस्कृति का प्रतीक

4.2. छ.ग. के लोक नृत्य का अर्थ व महत्व

अध्याय – पांच

लोक नृत्यों में वाद्ययंत्रों का प्रयोग

1. छ.ग. के नृत्यों के प्रमुख तत्व
2. छ.ग. के लोक नृत्यों की विशेषताएं

"दलित आत्मकथा 'जूठन' में प्रतिबिंबित समाज : एक अनुशीलन"

सत्र 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला–सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

24/11/2023

प्रस्तुतकर्ता

अनिता सिंह

अनुक्रमांक–230406002

नामांकन क्रमांक–RGPGA/21/003

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर माहाविद्यालय, अम्बिकापुर

जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा अनिता सिंह, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) ने **"दलित आत्मकथा 'जूठन' में प्रतिबिंबित समाज :एक अनुशीलन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य स्वयं अपने प्रयास एवं सूझ–बूझ से पूर्ण किया है ।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

स्थान–अम्बिकापुर

दिनांक–28/06/2023

अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय 1 दलित साहित्य का अवधारणा और स्वरूप

1.1 दलित शब्द का शाब्दिक अर्थ और अवधारणा

1.2 दलित साहित्य का स्वरूप व अवधारणा

1.3 दलित साहित्य की परम्परा

अध्याय 2 ओमप्रकाश वाल्मीकी और उनकी आत्मकथा का परिचय

1.1 ओमप्रकाश वाल्मीकी और उनकी साहित्यिक दृष्टी

1.2 जूठन की कथानक

अध्याय 3 प्रमुख दलित आत्मकथाएं और जूठन

1.1 आत्मकथा : अर्थ

1.2 आत्मकथा : परिभाषा

1.3 आत्मकथा का स्वरूप

1.4 आत्मकथा का उद्‌भव विकास

1.5 प्रमुख दलित आत्मकथाएं

1.5.1 अपने–अपने पिंजरे

1.5.2 दोहरा अभिशाप

1.5.3 तिरस्कृत

1.5.4 मुर्दहिया और मणिकार्णिकां

1.5.5 जूठन

अध्याय 4 आत्मकथा जूठन में चित्रित समाज का विश्लेषण

1.1 समाज

1.2 शिक्षा व्यवस्था

1.3 अस्पृश्यता की समस्या

1.4 दलित समाज के नारी की स्थिति

अध्याय 5 उपसंहार

" छायावादी युग की गीत रचना : एक अध्ययन "

सत्र : **2022 - 23**

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ - प्रश्न के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक - हिंदी

अंशुमाला बेक

प्रस्तुतकर्ता

अंशुमाला बेक

अनुक्रमांक - **230406003**

नामांकन क्रमांक - **RGPGA/21/0**

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

24/7/2023

विभागाध्यक्ष

हिन्दी

रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर (छ.ग.)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा अंशुमाला बेक एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ में **'छायावादी युग की गीत रचना : एक अध्ययन'** शीर्षक पर मेरे निर्देश में अपना लघु कार्य पूर्ण किया है।

यह लघु प्रबंध एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अंबिकापुर

दिनॉक –28-6-2023

निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

(सहायक प्राध्यापक)

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर

जिला – सरगुजा (छत्तीसगढ)

छायावादी युग की गीत रचना : एक अध्ययन

अध्याय 1

छायावादी युग में गीत सृष्टि एक अनुशीलन

1.1 परिभाषा स्वरूप

1.2 छायावादी युग

अध्याय 2

गीत के तत्व, परंपरा तथा छायावाद के अन्य काव्य रूप

2.1 गीतों के तत्व छायावाद के अन्य काव्य रूप

2.2 गीत की परंपरा

2.3 छायावाद के अन्य काव्य रूप गीत

(I) प्रबंध काव्य और गीत

(II) खण्ड काव्य और गीत

(III) मुक्तक काव्य और गीत

(IV) महाकाव्य और गीत

(V) प्रगति और गीत काव्य

अध्याय 3

छायावाद के प्रमुख गीतकार के गीतों के विश्लेषण

3.1 प्रसाद के गीत प्रकार एवं स्वरूप

3.2 निराला के गीत प्रकार एवं स्वरूप

3.3 सुमित्रानंदन पंत के गीत प्रकार एवं स्वरूप

3.4 महादेवी वर्मा के गीत प्रकार एवं स्वरूप

3.5 छायावाद के अन्य कवि एवं उनके गीत प्रकार एवं स्वरूप

अध्याय 4

हिंदी साहित्य को छायावाद युग के का प्रदेय

4.1 छायावाद गीत सृष्टि का वैशिष्ट्य

4.2 छायावाद युग की जीत सृष्टि का महत्व

अध्याय 5

उपसंहार

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

सत्र :– 2022–23

लघुशोध – प्रबंध

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

शीर्षकः– आँचलिकता की अवधारणा और मैला आँचल

शोध निर्देशक

डॉ0 दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक –हिन्दी विभाग

24/7/2023

प्रस्तुतकर्ता

नामः–आयुष शिवकुमार मिश्रा

अनुक्रमांकः– 230406004

नमांकन क्रमांकः– RGPGA/21/007

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र आयुष शिवकुमार मिश्रा, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर ,जिला– सरगुजा (छ.ग.) ने ''आँचलिकता की अवधारणा और मैला आँचल'' शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपने लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा–2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

शोध निर्देशक

डॉ0 दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी विभाग

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक–28.06.2023

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

अध्याय–एक : आँचलिकता की अवधारणा 1–15

- परिभाषा
- स्वरूप

अध्याय–दो : हिन्दी के आँचलिक उपन्यासो 16–54
का परिचय

- रेणु पूर्व आँचलिक उपन्यास
- रेणु के आँचलिक उपन्यास
- रेणु के बाद के आँचलिक उपन्यास

अध्याय–तीन : मैला आँचल की आँचलिकता 55–84

- भौगोलिक
- सामाजिक
- आर्थिक
- सांस्कृतिक

अध्याय–चार : स्थानीय में राष्ट्रीयता की अभिव्यक्ति 85–100

- सामाजिक
- राजनीतिक
- सांस्कृतिक

अध्याय–पाँच : उपसंहार 101–104

"अज्ञेय की असाध्यवीणा में सृजनात्मक रहस्य का अनुशीलन "

लघु शोध – प्रबन्ध

सत्र :– 2022 –23

एम.ए. हिन्दी

(चतुर्थ सेमेस्टर)

निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्रध्यापक

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग)

शोधकर्ता

कृष्ण पाल सिंह

रोल नं. – 230406007

नामांकन क्र. – RGPGA/21/010

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग)

21/7/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र कृष्ण पाल सिंह एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी शासकीय स्नात. महा.वि. अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग) ने "अज्ञेय की असाध्यवीणा में सृजनात्मक रहस्य का अनुशीलन " शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु – शोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

स्थान–अम्बिकापुर
दिनाँक – 18/7/2023

निर्देशक
डॉ. दीपक सिंह
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय
स्नातकोत्तर महा.वि.
अम्बिकापुर जिलाा सरगुजा
(छ.ग)

"अज्ञेय की असाध्य वीणा में सृजनात्मक रहस्य का अनुशीलन"

प्रस्तावना

अध्यायः एक

अज्ञेय का जीवन और साहित्य

1.1 व्यक्तित्व

- साहित्य में स्थान
- प्रेरणा एवं प्रभाव

1.2 कृतित्व

अध्याय : दो

असाध्य वीणाः विहंगावलोकन

2.1 कथ्य

2.2 शिल्प

- प्रकृति सौदंर्य एवं ध्वनि
- छंद
- भाषा
- प्रगीतात्मकता
- लम्बी कविताएँ
- नाटकीयता
- रहस्यात्मकता

अध्याय – तीन

असाध्य वीणा में व्यक्त सृजन की प्रक्रिया

3.1 सर्जक की साधना

3.2 अनुभूति का कला में रूपान्तरण

अध्याय – चार

असाध्यवीणा का संदेश

4.1 जीवन के लिए

4.2 कला के लिए

अध्याय – पांच

उपसंहार

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला – सरगुजा (छ.ग.)

सत्र :– 2022–23

लघुशोध – प्रबंध

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

शीर्षक :– समकालीन कहानियों में परिवारिक मूल्य

शोध निर्देशक

डॉ.उमेश कुमार पाण्डेय

सहायक प्राध्यापक – हिन्दी विभाग

24/7/2023

प्रस्तुतकर्ता

नाम– अर्चना बघेल

अनुक्रमांक –230406008

नामांकन क्रमांक–RGPGA/21/006

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **अर्चना बघेल**, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर ,जिला– सरगुजा (छ.ग.) ने **"समकालीन कहानियों में पारिवारिक मूल्य "** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपने लघुशोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा– 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है ।

28/6/2023

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक–28 / 06 / 2023

शोध निर्देशक

डॉ0 उमेश कुमार पाण्डेय

सहायक प्राध्यापक– हिन्दी विभाग

समकालीन कहानियों में पारिवारिक मूल्य

अध्याय 1 हिन्दी कहानी – उत्पत्ति एवं स्वरूप

1. हिन्दी कहानी का विकास

2. विविध कहानी आंदोलन

3. हिन्दी कहानियों का वर्तमान दौर

अध्याय 2 समकालीन कहानी–विविध सदंर्भ

1. समकालीन का अर्थ एवं स्वरूप

2.प्रमुख समकालीन कहानीकार

3. समकालीन कहानी की पिषय वस्तु।

अध्याय 3. विविध मानवीय मूल्य और समकालीन हिन्दी कहानियां

1. सामाजिक मूल्य

2. सास्कृतिक मूल्य

3. आर्थिक मूल्य एव अन्य मूल्य

अध्याय 4. पारिवारिक मूल्य और हिन्दी कहानियां

1. पारिवारिक विघटन और उसकी अभिव्यक्ति

2. नये जीवन मूल्य और समकालीन कहानियां

3.परिवार के आर्थिक प्रश्न और समकालीन कहानियां

अध्याय 5 निष्कर्ष/सारांश

सदंर्भ ग्रंथ

"हिन्दी कथा साहित्य में पर्यावरणीय चेतना"

सत्र – 2022–23

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत

लघु शोध – प्रबंध

शोध निर्देशक
डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय
ायक प्राध्यापक – हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता
दीपक कुमार चौहान
अनुक्रमांक– 230406005
नामांकन क्र.– RGPGA/21/008
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

24/8/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र दीपक कुमार चौहान, एम. ए. हिन्दी चतुर्थ समेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) "हिन्दी कथा साहित्य में पर्यावरणीय चेतना विषय" पर लघुशोध कार्य पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा–2022– 23के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मककार्य है।

28/6/23

शोध निर्देशक

डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय

सहायक प्राध्यापक – हिन्दी

राजीवगांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक–28 / 06 / 2023

हिन्दी कथा साहित्य में पर्यावरणीय चेतना

अध्याय 01. हिन्दी कथा साहित्य :– अर्थ एवं स्वरूप

(क) हिन्दी कथा साहित्य का अर्थ एवं प्रकार

(ख) हिन्दी उपन्यास का विकास

(ग) हिन्दी कहानी का विकास

अध्याय– 02. हिन्दी कथा साहित्य –संविदना

(क) 20 वीं सदी के हिन्दी उपन्यासों का कथ्य

(ख) 20 वीं सदी की हिन्दी कहानियों में निहित मूल्य

(ग) समकालिन हिन्दी उपन्यास व कहानियों में संवेदना

अध्याय– 03. हिन्दी उपन्यासों में पर्यावरणीय चेतना

(क) आजादी पूर्व के हिन्दी उपन्यास और पर्यावरणीय संवेदना

(ख) स्वाधीनता पश्चात के हिन्दी उपन्यास और पर्यावरण चिंतन

(ग) समकालीन हिन्दी उपन्यासों में पर्यावरण चिंताये

अध्याय – 04. हिन्दी कहानियों में पर्यावरणीय चेतना

(क) स्वाधीनता पूर्व की हिन्दी कहानियों में पर्यावरण चिंतन

(ख) आजादी पश्चात की कहानियों में पर्यावरणीय संवेदना

(ग) समकालीन हिन्दी कहानियों में पर्यावरण चिंताये

अध्याय – 05. उपसंहार

" गोदान में व्यक्त स्त्री चेतना का अध्ययन"

सत्र : 2022 - 23

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ - प्रश्न के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक - हिंदी

Khushbu
प्रस्तुतकर्ता

खुशबु

अनुक्रमांक - 230406006

नामांकन क्रमांक - RGPGA/21/009

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

24/7/23

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा खुशबू एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला – सरगुजा छत्तीसगढ़ ने **'गोदान में व्यक्त स्त्री चेतना का अध्ययन'** शीर्षक पर मेरे निर्देश में अपना लघु कार्य पूर्ण किया है।

यह लघु प्रबंध एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अंबिकापुर

दिनॉक – 28/06/23

निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक-हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर

जिला – सरगुजा (छत्तीसगढ़)

24/7/23

गोदान में व्यक्त स्त्री चेतना का अध्ययन

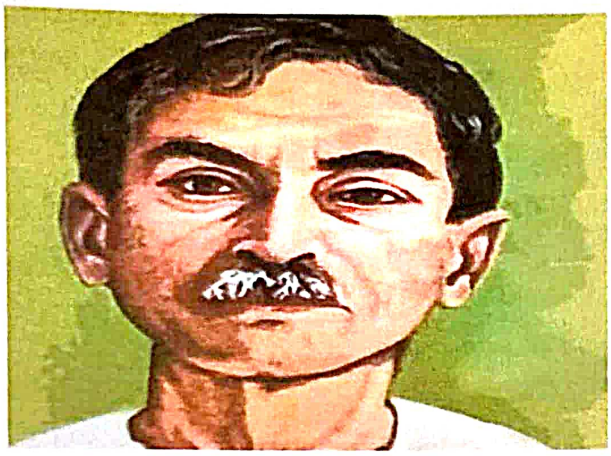

अध्याय – 1

(1) **गोदान –: उपन्यास परिचय**

1. कथावस्तु
    - 1.1 ग्रामीण कथावस्तु
    - 1.2 शहरी कथावस्तु
2. शिल्प पक्ष का प्रारंभिक स्वरूप परिचय

अध्याय – 2

(2) **भारत मे नारीवादी विमर्श**

- 2.1 पहली लहर
- 2.2 दूसरी लहर
- 2.3 तीसरी लहर

अध्याय – 3

(3) गोदान के प्रमुख स्त्री पात्रों का परिचय

3.1 ग्रामीण स्त्री पात्र
3.2 शहरी स्त्री पात्र
3.3 ग्रामीण और शहरी स्त्री पात्रों की सामान्य तुलना

अध्याय – 4

(4) स्त्री विमर्श की दृष्टि से गोदान का मूल्यांकन

५.1 शहरी स्त्री पात्रो का मूल्यांकन
4.2 ग्रामीण स्त्री पात्रो का मूल्यांकन

अध्याय – 5

(5) उपसंहार

" सरगुजिहा लोकगीतों में भारतीय धर्म और संस्कृति "

सत्र : 2022 - 23

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न - पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

परियोजना - कार्य

परियोजना निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक - हिंदी

प्रस्तुतकर्ता

कुन्ती

अनुक्रमांक - 230406009

नामांकन क्रमांक - RGPGA/21/011

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा कुन्ती एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ नें **'सरगुजिहा लोकगीतों में भारतीय धर्म और संस्कृति'** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना परियोजना–कार्य पूर्ण किया है।

यह परियोजना–कार्य एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अंबिकापुर
दिनॉक – 18/07/23

निर्देशक
डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री
एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छत्तीसगढ)

"सरगुजिहा लोकगीतों में भारतीय धर्म और संस्कृति"

अनुक्रमणिका

अध्याय-1

क. 1 सरगुजा का सामान्य परिचय
2. नामकरण

ख. 1. सरगुजा अंचल के निवासी एवं उनकी सांस्कृतिक विरासत
2. रहन-सहन एवं रीतिरिवाज
3. धार्मिक विश्वास एवं विभिन्न पर्वोत्सव
4. संस्कृति और परंपरा

अध्याय-2

लोकगीतों का उद्भव एवं विकास

1. लोकगीतों का अर्थ, स्वरूप
2. लोकगीतों का उद्भव विकास
3. लोकगीतों की परंपरा

अध्याय-3

सरगुजा अंचल के लोकगीतों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक विवेचन –

① संस्कार लोकगीत ② पर्वलोकगीत ③ नृत्यलोकगीत
④ व्यवसाय लोकगीत ⑤ पारिवारिक लोकगीत
⑥ ऋतु संबंधी लोकगीत ⑦ क्रिडा लोकगीत
⑧ आखेट संबधी लोकगीत ⑨ धार्मिक भावना संबंधी लोकगीत

अध्याय-04

लोकगीतों का महत्व

अध्याय-05

उपसंहार

मुक्तिबोध की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन

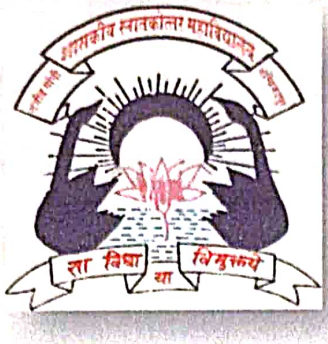

सत्र – 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

शोध निर्देशक
डॉ.कामिनी
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता
मधु केरकेट्टा
अनुक्रमांक – 230406010
नामांकन क्र. – RGPGA/21/012
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा मधु केरकेट्टा, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) ने **"मुक्तिबोध की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य स्वयं अपने प्रयास एवं सूझ–बूझ से पूर्ण किया है।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक– 28/06/23

निर्देशन

डॉ. कामिनी

सहायक प्रध्यापक–हिन्दी

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला– सरगुजा (छ.ग.)

"मुक्तिबोध की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन"

अध्याय एक

मुक्तिबोध का परिचय

- मुक्तिबोध का जीवन परिचय
- साहित्यिक परिचय

अध्याय दो

हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास

- हिन्दी कहानी का उद्‌भव
- हिन्दी कहानी की विभिन्न धाराए–

  सामाजिक

  मनोवैज्ञानिक

  ऐतिहासिक

  मनोरंजन

अध्याय तीन

मुक्तिबोध के प्रमुख सामाजिक कहानियों का परिचय

- जिन्दगी की कतरन
- पक्षी और दीमक
- जलना
- काठ का सपना
- जंक्शन

अध्याय चार

सामाजिक यथार्थ की दृष्टि से कहानियों का मूल्यांकन

- जिन्दगी की कतरन
- पक्षी और दीमक
- जलना
- काठ का सपना
- जंक्शन

उपसंहार

"विभाजन की त्रासदी और स्त्री जीवन पर उसका प्रभाव तमस के विशेष संदर्भ में "

सत्र 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला–सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

24/7/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

महफूज आलम

अनुक्रमांक–230406011

नामांकन क्रमांक–RGPGA/21/013

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

अम्बिकापुर जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र महफूज आलम, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) ने **" विभाजन की त्रासदी और स्त्री जीवन पर उसका प्रभाव तमस के विशेष संदर्भ में"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य स्वयं अपने प्रयास एवं सूझ–बूझ से पूर्ण किया है ।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

निर्देशक

डॉ. कामिनी

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

स्थान–अम्बिकापुर

दिनांक–28 / 06 / 2023

अध्यायीकरण :–

प्रथम अध्याय : भीष्म साहनी का जीवन परिचय एवं साहित्यक परिचय

अध्याय द्वितीय : तमस की कथा वस्तु

अध्याय तृतीय : भारत विभाजन का इतिहास

चतुर्थ अध्याय : तमस में अभिव्यक्त विभाजन का स्त्री जीवन पर प्रभाव

पंचम अध्याय : उपसंहार

सन्दर्भ सूची

"सरगुजा संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थल"

सत्र 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला–सरगुजा(छ.ग.)
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत

परियोजना कार्य

परियोजना निर्देशक
डॉ. कामिनी
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

24/4/2023

प्रस्तुतकर्ता
प्रभा
अनुक्रमांक–230406013
नामांकन क्रमांक–RGPGA/21/016
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **प्रभा,** एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) ने **"सरगुजा संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थल"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना परियोजनात्मक कार्य स्वयं अपने प्रयास एवं सूझ–बूझ से पूर्ण किया है ।

यह परियोजनात्मक कार्य एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

निर्देशक
डॉ. कामिनी
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

स्थान–अम्बिकापुर
दिनांक–17 / 07 / 2023

अनुक्रमणिका

	घोषणा पत्र प्रमाण पत्र आभार–ज्ञाापन	
क्र.सं.	विषयवस्तु	पृष्ठ सं.
1	प्रस्तावना	1–8
2	प्रकृतिक पर्यटन स्थल	9–42
3	तिर्थ पर्यटन स्थल	43–60
4	अम्बिकापुर के स्थानीय पर्यटन स्थल	61–73

" श्रृंखला की कडियाँ में वयक्त महादेवी वर्मा के सामाजिक विचार "

सत्र : 2022 - 23

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ - प्रश्न के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध - प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक - हिंदी

प्रस्तुतकर्ता

मंगली

अनुक्रमांक - 230406012

नामांकन क्रमांक - RGPGA/21/014

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अंबिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग .)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा मंगली एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला – सरगुजा छत्तीसगढ़ ने **'श्रृंखला की कडियाँ में व्यक्त महादेवी वर्मा के सामाजिक विचार'** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु कार्य पूर्ण किया है।

यह लघु प्रबंध एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला – सरगुजा (छत्तीसगढ़)

स्थान – अंबिकापुर

दिनॉक – 28/06/2023

श्रृंखला की कड़ियॉं में व्यक्त महादेवी वर्मा के सामाजिक विचार

अध्याय – 1

(1) महादेवी : परिचय
(2) जीवन परिचय
(3) साहित्यिक परिचय

अध्याय – 2

नारीवादी आंदोलन की स्थिति

प्रथम लहर –

द्वितीय लहर –

तृतीय लहर –

अध्याय – 3

श्रृंखला की कड़ियॉं में संकलित विविध निबंधों की विषय वस्तु

अध्याय – 4

भारतीय नारीवाद और महादेवी का स्त्री वादी चिंतन

अध्याय – 5

उपसंहार

'आपका बंटी ' उपन्यास का सामाजिक–मनोवैज्ञानिक अध्ययन

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र् के अन्तर्गत प्रस्तुत

लघुशोध–प्रबंध

सत्र्–2022–23

शोध निर्देशक
डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

प्रस्तुतकर्त्ता
Bhagat
संध्या
अनुक्रमांक– 230406014
नामांकन क्रमांक– RGPGA/21/018
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

हिन्दी विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला– सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **संध्या** एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) ने **'आपका बंटी' उपन्यास का सामाजिक–मनोवैज्ञानिक अध्ययन** विषय पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध कार्य पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्क कार्य है ।

निर्देशक

28/6/23

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक 28/6/2023

डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय

सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग.)

'आपका बंटी' उपन्यास का सामाजिक–मनोवैज्ञानिक अध्यययन

अध्याय–विभाजन

अध्याय–(1) हिन्दी उपन्यास– स्वरूप एवं संरचना

(क) उपन्यास का अर्थ एवं अवधारणा

(ख) हिन्दी उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय

(ग) हिन्दी के प्रमुख समाजिक–मनोवैज्ञानिक उपन्यास

अध्याय–(2) मन्नू भंडारी–व्यक्तित्व एवं कृतित्व

(क) मन्नू भंडारी–परिचय एवं रचनायें

(ख) मन्नू भंडारी के उपन्यासों की संवेदना

(ग) मन्नू भंडारी का साहित्यिक योगदान

अध्याय–(3) आपका बंटी उपन्यास का सामाजिक अध्ययन

(क) भारतीय विवाह परंपरा और उसके मूल्य

(ख) वैवाहिक जीवन का बदलता स्वरूप और आपका बंटी

(ग) वैवाहिक संबंधों में टकराव का बच्चों पर प्रभाव

अध्याय– (4) आपका बंटी उपन्यास का मनोवैज्ञानिक अध्ययन

(क) बाल मनोविज्ञान की निर्मिति और आपका बंटी

(ख) पारिवारिक विखण्डन का बच्चो पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव

(ग) आपका बंटी उपन्यास का पदेय

अध्याय–(5) उपसंहार / निष्कर्ष

"कबीर के काव्य में व्यक्त सामाजिक सांस्कृतिक चेतना का अनुशीलन"

लघु शोध – प्रबन्ध

सत्र :– 2022 –23

एम.ए. हिन्दी

(चतुर्थ सेमेस्टर)

निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्रध्यापक

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग)

शोधकर्ता

संतगोपाल

रोल नं. – 230406015

नामांकन क्र.– RGPGA/21/019

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग)

24/4/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र संतगोपाल एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गाँधी शासकीय स्नात·महा·वि·अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग) ने **"कबीर के काव्य में व्यक्त सामाजिक सांस्कृतिक चेतना का अनुशीलन"**शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु – शोध प्रबंध का कार्य सम्पन्न किया है।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

निर्देशक

डॉ. दीपक सिंह

सहायक प्राध्यापक हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महा·वि· अम्बिकापुर जिलाा सरगुजा (छ.ग)

स्थान–अम्बिकापुर

दिनाँक – 18-7-2023

अध्याय – 1

कबीर के काव्य मे व्यक्त समाजिक सांस्कृतिक चेतना का अनुशीलन।

- **भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि**
- सामाजिक
- राजनीतिक
- आर्थिक

अध्याय – 2

- **भक्ति आन्दोलन और कबीर**
- कबीर की समाजाजिक पृष्ठभूमि
- निराकार ईश्वर की अवधारणा
- कबीर की समाजिक पृष्ठभूमि और निर्गुण की अवधारणा का अन्तर्सम्बन्ध

अध्याय – 3

- **कबीर की काव्य चेतना का निर्माण**
- बौद्धधर्म। सिद्ध नाथ परम्परा
- वैष्णव परम्परा
- सूफी मत
- वेदांत

अध्याय –4

- **कबीर के काव्य में व्यक्त चेतना**
- सामाजिक चेतना
- सांस्कृतिक चेतना
- राजनीतिक चेतना

अध्याय – 5

- उपसंहार

प्रिंट मीडिया की चुनौतियां एवं संभावनाएँ

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र – 2022–23

शोध निर्देशक

डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता
शशीता
शशीता लकड़ा
अनुक्रमांक – **230406016**
नामांकन क्र. – RGPGA/21/020
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **शशीता लकड़ा** एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) **"प्रिंट मीडिया की चुनौतियां एवं संभावनाएं"** विषय पर मेरे निर्देशन में अपना **लघु** शोध कार्य पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबंध एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022-23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

निर्देशक

28/6/2023

स्थान-अंबिकापुर

दिनांक- 28.06.2023

डॉ उमेश कुमार पांडेय

सहायक प्राध्यापक, हिंदी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय-1

(1) मीडिया अवधारणा एवं स्वरूप-

(क) मीडिया की उत्पत्ति एवं विकास

1. प्रिंट मीडिया की उत्पत्ति।
2. प्रिंट मीडिया का विकास।
3. भारत में प्रिंट मीडिया का विकास।
4. भारत में मीडिया का विकास चरण।

(ख) मीडिया के प्रकार

1. मुद्रण माध्यम
   * समाचार
   * पत्र
   * पत्रिका
   * पुस्तकें
   * बैनर
   * ब्रोसर
   * फ्लायर्स

(2). प्रसारण मीडिया

* टेलीविजन
* रेडियो
* चलचित्र

(3). इंटरनेट मीडिया

* सामाजिक नेटवर्क या वेबसाईटें
* ऑनलाइन फोरम
* पॉडकास्ट
* एआई सामग्री

(ग) मीडिया का वर्तमान स्वरुप

1. वर्तमान समय में भारत का मीडिया का स्वरुप
2. भारतीय मीडिया का वर्तमान स्वरुप एवं विस्मृत होती पत्रकारिता

अध्याय-02

2) प्रिंट मीडिया-विविध आयाम

(क) प्रिंट मीडिया के विविध रूप

1. समाचार पत्र
2. पत्रिका
3. बैनर
4. किताबें
5. विवरणिका
6. फ्लायर और निफलेट
7. बिलबोर्ड

(ख) प्रिंट मीडिया बनाम इलेक्ट्रानिक मीडिया

1. इलेक्ट्रानिक मीडिया
2. प्रिंट मीडिया

(ग) प्रिंट मिडिया और सोशल मीडिया

1. संपादन का अभाव
2. बेहूदा कॉमेंट्स का पुलिंदा
3. अभद्र भाषा का प्रयोग
4. सिमित पाठक वर्ग

अध्याय-03

(3) प्रिंट मीडिया की चुनौतियाँ

(क) प्रिंट मिडिया के आर्थिक प्रश्न
(ख) पाठकीय संकट और प्रिंट मीडिया
(ग) प्रिंट मीडिया के अन्य संकट

अध्याय-04

(4) प्रिंट मीडिया की सम्भावनाएं

(क) विश्वनियता का प्रश्न और प्रिंट मीडिया
(ख) तकनिकी का विकाश और प्रिंट मीडिया
(ग) प्रिंट मीडिया अन्य सम्भावनाएं और उसका भविष्य

अध्याय-05

(5) उपसंहार

गोंड़ जनजाति के लोकगीतों में जीवन के विभिन्न रंग

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

सत्र – 2022–23

शोध निर्देशक

डॉ.उमेश कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता

सुमेन्द्र
अनुक्रमांक – **230406017**
नामांकन क्र. – RGPGA/21/021
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

24/7/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र सुमेन्द्र, एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ. ग.) ने **"गोंड़ जनजाति के लोकगीतों में जीवन के विभिन्न रंग"** विषय पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध कार्य पूर्ण किया है।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्र का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक– 28/06/2023

निर्देशन

28/06/23

डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय

सहायक प्रध्यापक–हिन्दी

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला– सरगुजा (छ.ग.)

अध्यायीकरण

"गोंड़ जनजाति के लोकगीतों में जीवन के विभिन्न रंग"

अध्याय–1

गोंड जनजाति का परिचय

(क) उत्पति एवं विस्तार

(ख) रहन–सहन

(ग) रीति–रिवाज एवं परंपरायें

अध्याय–2

लोकगीतः– अर्थ एवं स्वरुप

(क) लोकगीतों का आशय एवं उत्पत्ति

(ख) लोकगीतों के प्रकार

(ग) गोंड जनजाति और लोकगीत

अध्याय–3

गोंड जनजाति के लोकगीत

(क) परिचय एवं स्वरुप

(ख) लोकगीतों की विभिन्न अभिव्यक्तियाँ

(ग) लोकगीतों की उपयोगिता

अध्याय–4

विविध अवसर एवं लोकगीत

(क) संस्कार गीत

(ख) श्रम गीत

(ग) अन्य गीत

अध्याय–5

गोंड जनजाति के लोकगीतों में विविध स्वर

(क) लोकगीतों में निहित मानवीय मूल्य

(ख) लोकगीता एवं प्रकृति का अंतर संबंध

(ग) जीवन सौंदृर्य एवं लोकगीत

उपसंहार

'कमलेश्वर की कहानियों में समसामयिक समस्याएँ :– एक अनुशीलन'

सत्र : 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परिक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न – पत्र के अर्न्तगत

प्रस्तुत

लघु शोध – प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक :– हिन्दी

प्रस्तुतकर्ता

सुमित्रा बेक

अनुकमांकः– 230406018

नामांकन कमांक :– RGPGA/21/022

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शाकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला –सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **सुमित्रा बेक** एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला – सरगुजा (छ.ग) ने **'कमलेश्वर की कहानियों में समसामयिक समस्याएँ :– एक अनुशीलन' शीर्षक** पर मेरे निर्देशन में अपना लघु–शोध कार्य पूर्ण किया है।

यह लघु शोध प्रबंध एम.ए. हिन्दी चतुर्थ की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक – 28.06.2023

निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक :–हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग)

अनुक्रमणिका

'कमलेश्वर की कहानियों में समसामयिक समस्याएँ :– एक अनुशीलन'

अध्याय- 1

कमलेश्वर और उनकी सृजनात्मकता

1.1 (अ) कमलेश्वर का व्यक्तित्व

1.2 कमलेश्वर का कृतित्व

(i) कहानीकार कमलेश्वर

(ii) उपन्यासकार कमलेश्वर

(iii) नाटक

(iv) समीक्षा ग्रंथ

(v) यात्रा वृत्त

(vi) आत्मकथात्मक संस्मरण

(vii) साक्षात्कार

(viii) संपादन

(ix) संस्मरण

(x) पत्रकारिता

(xi) कमलेश्वर की नौकरी

(xii) साथियों ने ही कमलेश्वर को कमलेश्वर बनाया

(xiii) सामान्य जन जीवन के रचनाकार

(xiv) कमलेश्वर और दूरदर्शन

(xv) कमलेश्वर और उनकी फिल्में

1.3) पुरस्कार और सम्मान

(ब) सृजनात्मकता

(i) कमलेश्वर का सृजन पक्ष

(ii) कहानियों का परिचय

निष्कर्ष

अध्याय - 2

समसामयिक समाज

2.1 समसामयिकता का अर्थ एवं परिभाषा

2.2 समसामयिक परिस्थितियाँ

अ) आर्थिक परिस्थितियाँ

ब) सामाजिक परिस्थितियाँ

2.3 समसामयिकता और आधुनिकता

2.4 सामाजिक समस्याओं के विभिन्न आयाम

2.5) सामाजिक समस्याएं और साहित्य

अध्याय 3

कमलेश्वर की कहानियों में नारी शक्ति और परिवार की समस्याएं

3.1 नारी की समस्याएं

3.2 वैयक्तिक समस्याएँ

3.3 पारिवारिक समस्याएं

अध्याय-4

सांस्कृतिक संकट और आम व्यक्ति की समस्याएँ

4.1 सांस्कृतिक संकट

4.2 अनैतिकता की समस्याएं

4.3) आम आदमी की समस्याएं

अध्याय-5

उपसंहार

"सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का अनुशीलन"

सत्र : 2022 - 23

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ – प्रश्न के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध – प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक – हिंदी

Twinkal

प्रस्तुतकर्ता

ट्विंकल गिरी

अनुक्रमांक –230406019

नामांकन क्रमांक –RGPGA/21/023

एम .ए हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला– सरगुजा (छ.ग .)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **ट्विंकल गिरी,** एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ.ग.) ने **"सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का अनुशीलन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध का कार्य स्वयं अपने प्रयास एवं सूझ–बूझ से पूर्ण किया है ।

यह लघु शोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य ळें

निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक – हिन्दी

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा(छ.ग.)

स्थान–अम्बिकापुर

दिनांक–15/07/2023

अध्यायीकरण

अध्याय 1

राष्ट्रीयता एवं हिन्दी साहित्य मे राष्ट्रीय चेतना

1. राष्ट्रीयता का स्वरूप
2. राष्ट्र शब्द और राष्ट्र
3. राष्ट्रीयता का स्वरूप राष्ट्रीय चेतना
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का विकास

अध्याय 2

सुभद्रा कुमारी चौहान का जीवन वृत

1. जन्म, माता पिता, परिवार
2. शिक्षा दिक्षा
3. विवाह
4. स्वतंत्रता संग्राम मे भुमीका
5. पुरस्कार सम्मान

अध्याय 3

सुभद्रा कुमारी चौहान की साहित्यक कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन

1. काव्य कृतिया
2. काव्येत्तर रचनाए

अध्याय 4

शुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य मे राष्ट्रीय चेतना

1. क्राती और विद्रोह के स्वर
2. बलिदान के भावना
3. दुरदशों के प्रति निराशा
4. गाँधी दर्शन का प्रभाव
5. राजनीतिकघटनाओ का संकेत
6. देश जीवन का चित्र

अध्याय 5

उपसंहार

प्रेमचंद की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन

सत्र – 2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत

प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

Vinay Kumar

प्रस्तुतकर्ता

शोध निर्देशक

डॉ.कामिनी
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

24/11/2023

विनय कुमार
अनुक्रमांक – **230406020**
नामांकन क्र. – RGPGA/21/024
एम.ए.हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गा.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोध केन्द्र

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र **विनय कुमार** एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ ने **'प्रेमचंद की कहानियों में सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन'** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघु–शोध कार्य पूर्ण किया।

स्थान– अंबिकापुर
दिनांक– 28/06/2023

शोध निर्देशक

डॉ.कामिनी
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा
(छत्तीसगढ)

प्रेमचंद की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन

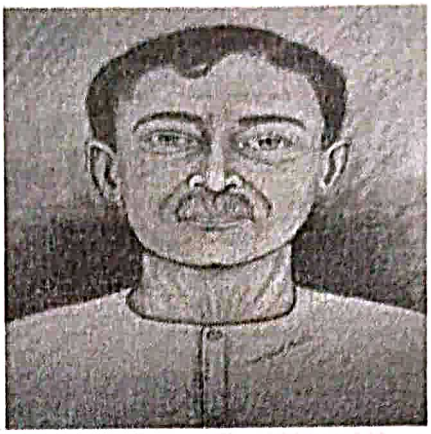

अध्याय – एक

प्रेमचंद : जीवन एवं साहित्य

1.1. जीवन परिचय

1.2. साहित्यिक परिचय

अध्याय – दो

हिन्दी कहानियों की सामाजिक परम्परा

2.1. प्रेमचंद पूर्व कहानी

2.2. प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानी

2.3. प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी

अध्याय – तीन

प्रेमचंद की प्रमुख कहानियों का परिचय

3.1. प्रेमचंद की किसान और मजदूर जीवन पर आधारित कहानियाँ

3.2. प्रेमचंद की दलित जीवन पर अधारित कहानियाँ

3.3. प्रेमचंद की स्त्री जीवन पर अधारित कहानियाँ

अध्याय – चार

प्रेमचंद की कहानियों में निहित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन

4.1. किसान और मजदूर जीवन का सामाजिक यथार्थ

4.2. दलित जीवन की यथार्थ

4.3. स्त्री जीवन का यथार्थ

अध्याय – पांच

उपसंहार

"सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का आत्मसंघर्ष और सरोज स्मृति का मूल्यांकन"

सत्र–2022–23

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला– सरगुजा (छ.ग.)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र के अन्तर्गत

प्रस्तुत

लघुशोध–प्रबंध

शोध निर्देशक

श्रीमती सुसन्ना लकड़ा
सहायक प्राध्यापक–हिन्दी

प्रस्तुतकर्त्ता

विनीता बेक
अनुक्रमांक– 230406021
नामांकन क्रमांक– RGPGA/21/025
एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

24/7/2023

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
रा.गां.शा.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

जिला– सरगुजा (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा **विनीता बेक** एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला सरगुजा (छ.ग.) ने **"निराला का आत्मसंघर्ष और सरोज–स्मृति का मूल्यांकन"** शीर्षक पर मेरे निर्देशन में अपना लघुशोध कार्य पूर्ण की हैं।

यह लघुशोध प्रबंध एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 2022–23 के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत प्रस्तुत है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्क कार्य है ।

निर्देशक

श्रीमती सुसन्ना लकड़ा

प्राध्यापक–हिन्दी राजीव गांधी

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जिला सरगुजा (छ.ग.)

स्थान– अम्बिकापुर

दिनांक 15/7/2023

24/7/2023

"सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का आत्मसंघर्ष और सरोज स्मृति का मूल्यांकन"

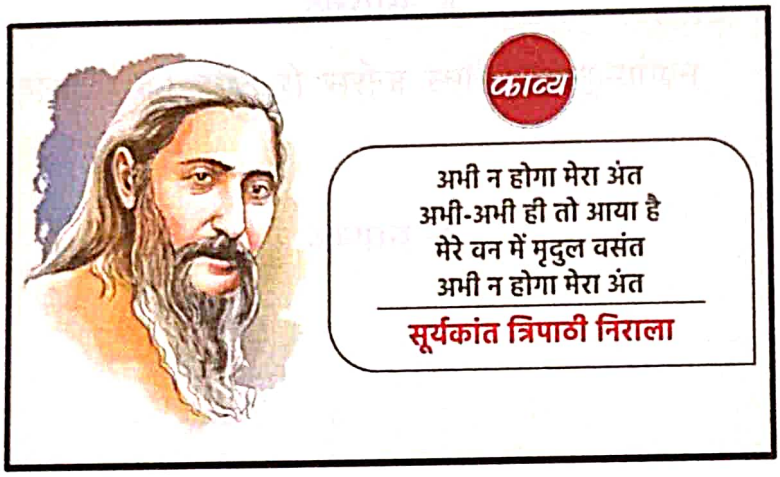

अनुक्रमाणिका

प्रस्तावना

अध्याय–1

जीवन एवं साहित्यिक परिचय

1.1 जीवन परिचय

1.2 साहित्यिक परिचय

अध्याय–2

पारिवारिक एवं साहित्यिक संघर्ष

2.1 पारिवारिक संघर्ष

2.2 साहित्यिक संघर्ष

अध्याय–3

सरोज–स्मृति की कथावस्तु

3.1 सरोज का जीवन

3.2 निराला का जीवन

अध्याय–4

निराला का आत्मसंघर्ष की दृष्टि से सरोज स्मृति का मूल्यांकन

अध्याय–5

उपसंहार

संदर्भग्रंथ सूची